>

Title: Need to open a Central University in Bharatpur district in Rajasthan.

श्री रतन सिंह (भरतपुर): सभापति महोदय, आपने मुझे एक महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का अवसर दिया, इसके लिए मैं आपका बहुत आभार व्यक्त करता हूं। मैं आपके माध्यम से सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि भरतपुर राजस्थान का पूर्वी सिंहद्वार है एवं राज्य का संभागीय मुख्यालय है। इस संभाग में भरतपुर, धौलपुर, करौली व सवाई माधोपुर जिले सम्मिलित हैं। भरतपुर आगरा से 55 किलोमीटर की दूरी पर है। भरतपुर संभाग में ब्रज चौरासी कोस, मथुरा, वृन्दावन एवं गोकुल का सामीप्य विद्यमान है। नेशनल केवलादेव पक्षी अभयारण्य, भरतपुर, राष्ट्रीय बाघ परियोजना, सवाई माधोपुर, विश्व प्रसिद्ध रणथम्भौर श्री गणेश जी का मंदिर, जिला करौली में स्थित कैलादेवी माता जी का शक्तिपीठ और श्री मदनमोहन जी का मंदिर भी इसी संभाग में सम्मिलित हैं। धौलपुर, ारतपुर एवं कौली के सफ़ेद व लाल सैंडस्टोन पूरे विश्व में निर्माण कार्य के लिए यहाँ से बहुतायत में भेजे जाते हैं। इसी पत्थर से संसद भवन एवं दिल्ली की अन्य महत्वपूर्ण इमारतों का निर्माण करवाया गया है। भरतपुर दिल्ली से लगभग सौ किमी की दूरी पर बसा हुआ है। इस सम्भाग में चारों जिलों की आबादी लगभग अस्सी लाख है। इस प्रगतिशील युग में ब्रज-मेवात क्षेत्र के युवा अच्छी शिक्षा प्राप्त कर सकें, इसके लिए मैं आपके माध्यम से माननीय एचआरडी मंत्री जी का ध्यान आकर्षित करना करना चाहता हूँ। मेरा सादर निवेदन है कि उपरोक्त सभी तथ्यों का अवलोकन करते हुए भरतपुर जिले में केंद्रीय विश्वविद्यालय खोलने की स्वीकृति प्रदान करने के निर्देश पारित कर अनुगृहीत करें। इसके लिए हम सब आपके बहुत आभारी रहेंगे।